भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3175

गुरूवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना

3175 श्री मनोज कुमार झा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्वदेश दर्शन 1.0 और 2.0 के बीच स्पष्ट अंतर न होने के कारण कार्यान्वयन में अस्पष्टता आई है;

(ख) क्या थीम-आधारित रणनीतियों के अतिछादित होने से विशिष्ट पर्यटन अनुभव प्रभावित हो रहा है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या पूर्व के चरण में बेंचमार्क की अनुपस्थिति के कारण गुणवत्ता मानक प्रभावित हुए हैं; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) 2025 की पर्यटन प्राथमिकताओं के अनुरूप स्पष्ट दिशा-निर्देश और मापनीय परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): स्वदेश दर्शन 1.0 के तहत विषयगत परिपथों को चिह्नित किया गया था और इन चिह्नित विषयगत परिपथों के तहत परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। प्रत्येक परिपथ में आम तौर पर विकास के लिए कई गंतव्यों को कवर किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से व्यापक समीक्षा के बाद अब इस योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के तौर पर नया रूप दिया है। एसडी 2.0 के तहत परियोजनाएं एक सीमांकित क्षेत्र तक ही सीमित हैं। एसडी 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाएं अनेक पहलुओं को कवर करती हैं, जिनमें विशिष्ट पर्यटन से संबंधित तत्व भी शामिल हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2019 में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के माध्यम से स्वदेश दर्शन (विषय-आधारित पर्यटक परिपथ का एकीकृत विकास) का तृतीय पक्ष प्रभाव संबंधी मूल्यांकन करवाया था। अध्ययन में बताया गया है कि 'स्वदेश दर्शन योजना' आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और निर्माण चरण में स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार सृजित करने में सक्षम रही है।

एसडी 2.0 के दिशानिर्देशों में इसके तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विभिन्न मापदंडों पर नियमित मूल्यांकन और निगरानी किए जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, स्वीकृत परियोजनाओं का सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित करता है।

*****